

छोटे पैमाने के उद्योग

*११७०. श्री रघुनाथ सिंह : क्या वारिण्ड्य तथा उद्योग मंत्री १० अगस्त, १९५५ को दिये गये तारांकित प्रश्न संख्या ६०३ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि छोटे पैमाने के उद्योगों के विकास के सम्बन्ध में सरकार को मंत्रणा देने के लिये दो अमरीकी विशेषज्ञ भी भारत आये हैं ; और

(ख) यदि हां, तो वे किन उद्योगों के सम्बन्ध में अपनी मंत्रणा देंगे ?

उद्योग मंत्री (श्री कानूनगो) : (क) जी, हां ।

(ख) लघु उद्योगों की अग्र्य और बिक्री व्यवस्था के सम्बन्ध में ।

श्री रघुनाथ सिंह : मैं जानना चाहता हूँ कि जो अमरीकन एक्सपर्ट आते हैं वह कौनसी चीजों के एक्सपर्ट हैं जो कि अमरीका की इंडस्ट्री में होती हैं ?

श्री कानूनगो : यह जो दो आदमियों के बारे में सवाल पूछा गया है उन में से एक तो एक एकनामिक्स और दूसरा मार्केटिंग के बारे में आया है ।

Shri V. P. Nayar : May I know whether Government are aware that in the year 1952 a very elaborate survey was made in regard to the position of small scale and cottage industries in the Travancore-Cochin State by Dr. P. J. Thomas, and that this specialist when he visited Travancore-Cochin was not even shown a copy of the report submitted by Dr. Thomas ?

Shri Kanungo : It is quite possible.

Shri S. V. Ramaswamy : May I know whether there are any Japanese experts who have been invited? If not, in view of the fact that Japan is pre-eminently a nation of small scale industries is it in the contemplation of Government to have the assistance of Japanese experts ?

Shri Kanungo : At the moment, we are concerned with the marketing and economics and planning. As far as the Japanese experts are concerned we tried to get them, but we could not get them.

Shri Bhagwat Jha Azad : May I know whether these experts have submitted any report? If so, what aspect of the problem they have emphasised ?

Shri Kanungo : One has submitted a report on the marketing side and it is under consideration.

Shri Joachim Alva : What is the real policy of Government in regard to small industries? Is it to get foreign experts in industries which are dying and which really need requisite financial help, or is to get Danish experts—according to a statement made by the hon. Minister—on a salary of Rs. 3000 to revive our lock industry, when we have got sufficient local talent in Aligarh ?

Shri Kanungo : It is not a matter of policy. The question is about getting expert advice on improving the technique of production and also finding out new line of production.

पर्वतीय नगरों (हिल स्टेशन्स) का विकास

*११७१. श्री भक्त वर्शन : क्या योजना मंत्री १९ अप्रैल, १९५५ को दिये गये तारांकित प्रश्न संख्या २३९७ से उत्पन्न होने वाले अनपूरक प्रश्न के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या तब से योजना आयोग ने राज्य सरकारों से उनके पर्वतीय नगरों के विकास के सम्बन्ध में परामर्श किया है ;

(ख) क्या योजना आयोग ने इस काम के लिये किसी राज्य के लिये कोई राशि निर्धारित की है ; और

(ग) यदि हां, तो इन राशियों का किस प्रकार और किन शर्तों पर उपयोग किया जायेगा ?

योजना उपमंत्री (श्री एस० एन० निख) :

(क) तथा (ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

श्री भक्त वर्शन : क्या मैं यह जान सकता हूँ कि क्या प्लैनिंग कमिशन ने इस बात का

प्रयत्न किया है कि इस देश में जितने हिल स्टेशन्स हैं उनकी सूची तैयार की जाय, और क्या इस की कोई परिभाषा निश्चित की गई है कि किस प्रकार के स्थान को हिल स्टेशन माना जाये ?

श्री एस० एन० मिश्र : जी नहीं इस प्रकार का कोई प्रयास नहीं हुआ है।

श्री भक्त बर्षान : क्या गवर्नमेंट के ध्यान में यह बात आई है कि बड़े प्रसिद्ध हिल स्टेशन्स जैसे नैनीताल, मसूरी, शिमला, दार्जीलिंग आदि के अलावा और भी हिल स्टेशन्स हैं जिनका विकास करने की आवश्यकता है और क्या इस ओर ध्यान दिया जा रहा है ?

श्री एस० एन० मिश्र : जी हां, यह बिल्कुल सही है कि इन के अलावा भी कई हिल स्टेशन्स हैं।

Shrimati Sushama Sen: May I know whether Government are aware that the Simla hill station has lately been very sadly neglected? Is there any plan to restore its popularity?

Shri S. N. Mishra: I do not have any scheme for attracting more people to Simla at the moment. I do not have even that information that Simla is getting unpopular.

Shri C. D. Pande: Are Government aware that since there has been a great deal encouragement to tourist traffic to Kashmir, most of the hill stations in other parts are suffering?

The Minister of Rehabilitation (Shri Mehr Chand Khanna): Including Naini Tal.

Shri S. N. Mishra: No, Sir. The Planning Commission has no information about that.

Evacuee Agricultural Lands

*1173. **Dr. Satyawadi:** Will the Minister of Rehabilitation be pleased to state the progress so far made towards conferring the ownership rights in respect of the Evacuee Rural Agricultural Lands and houses to the allottees in the States of Punjab and P.E.P.S.U.?

The Minister of Rehabilitation (Shri Mehr Chand Khanna): The requisite staff has been appointed in the Punjab and P.E.P.S.U. and the work has just been started by the two state Governments.

डा० सत्यवादी : इस काम के मुकम्मल होने में कितना धर्मा लगेगा ?

श्री महर चन्द खन्ना : कोई चार, पांच लाख शरणार्थियों को यह जमीन बांटनी है। अभी आज ही तो काम शुरू हुआ है इस लिये वक्त तो लगेगा ही।

डा० सत्यवादी : क्या कुछ ऐसी जमीन पंजाब और पेप्सू में पड़ी है जो अभी तक ऐलाट नहीं की गई है ?

श्री महर चन्द खन्ना : कुछ न कुछ अब हमारी नजर में आ रही है। बहुत सी जमीन जो पंजाब और पेप्सू में थी, वह चार पांच बरस पहले ही ऐलाट हो चुकी है।

डा० सत्यवादी : क्या कुछ ऐसे भी शरणार्थी हैं जिन्हें जमीनें आज तक ऐलाट नहीं हुई हैं, हालांकि वह जमीनें छोड़ कर यहां आये हैं ?

श्री महर चन्द खन्ना : जहाँ तक पंजाब और पेप्सू का ताल्लुक है और उन भाइयों का ताल्लुक है जो पंजाबी हैं या पंजाबी नस्ल के हैं, उन में तो तकरीबन हर एक को जमीन ऐलाट हो चुकी है, और अगर आप का इशारा सिन्ध, बिलोचिस्तान, भावलपुर और सूबा सरहद के भाइयों से है तो मुझे हां में कहना पड़ेगा। उन में अभी बड़ी भारी तादाद ऐसी है जिन को अभी जमीनें ऐलाट नहीं हुई हैं।

Kashmir

*1175. **Shri Bogawat :** Will the Prime Minister be pleased to state whether any date has been fixed for the next meeting of the Prime Ministers of India and Pakistan for discussing the Kashmir issue?

The Parliamentary secretary to the Minister of External Affairs (Shri Sadath Ali Khan): No date has been fixed for the next meeting.